COOCH BEHAR PANCHANAN BARMA UNIVERSITY

B.A(Hons)

DEPARTMENT
OF
HINDI

NEW SYLLABUS

(Coures effective & Revised Syllabus from Academic Year 2020-21)

Choice Based Credit System (CBCS)

B.A (Honours) in Hindi : 1st Semester

Course Code	Course Title	Course type	Credit	Marks
101	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल-रीतिकाल तक)	CORE-1	6	50
102	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल तक)	CORE-2	6	50
103	**Choose from Pool of Generic Electives**	**GE-1**	6	50
104	ENVS	AECC-1	4	50
		TOTAL	22	200

B.A (Honours) in Hindi : 2nd Semester

Course Code	Course Title	Course type	Credit	Marks
201	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता	CORE-3	6	50
202	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	CORE-4	6	50
203	**Choose from Pool of Generic Electives**	**GE-2**	6	50
204	हिंदी व्याकरण एवं रचना	AECC-2	2	50
		TOTAL	20	200

B.A (Honours) in Hindi : 3rd Semester

Course Code	Course Title	Course type	Credit	Marks
301	छायावादोत्तर हिंदी कविता	CORE-5	6	50
302	भारतीय काव्यशास्त्र	CORE-6	6	50
303	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	CORE-7	6	50
304	**Choose from Pool of Generic Electives**	**GE-3**	6	50
305	विज्ञापन अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग	SEC-1 (any one to be chosen)	2	50
		TOTAL	26	250

B.A (Honours) in Hindi : 4th Semester

Course Code	Course Title	Course type	Credit	Marks
401	भाषा विज्ञान ओर हिंदी भाषा	CORE-8	6	50
402	हिंदी उपन्यास	CORE-9	6	50
403	हिंदी कहानी	CORE-10	6	50
404	**Choose from Pool of Generic Electives**	**GE-4**	6	50
405	साहित्य और हिंदी सिनेमा	SEC-2 (any one to be chosen)	2	50
		TOTAL	26	250

B.A (Honours) in Hindi : 5th Semester

Course Code	Course Title	Course type	Credit	Marks
501	हिंदी नाटक एवं एकांकी	CORE-11	6	50
502	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	CORE-12	6	50
503	संत काव्य	DSE-1	6	50
504	लोक साहित्य	DSE-2	6	50
		TOTAL	24	200

B.A (Honours) in Hindi : 6th Semester

Course Code	Course Title	Course type	Credit	Marks
601	हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता	CORE-13	6	50
602	प्रयोजनमूलक हिंदी	CORE-14	6	50
603	प्रेमचंद	DSE-3	6	50
604	अस्मितामूलक विमर्श	DSE-4	6	50
		TOTAL	24	200

Total Subject : 26

Total Credit : 142

Total Marks : 1300

सेमेस्टर : 1

CC-1

(अनिवार्य बीज पत्र)

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीति काल तक)

Course Code : 101

इकाई–1 : **आदिकाल**

- आदिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि.
- आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य एवं जैन साहित्य
- रासो काव्य, अपभ्रंश मुक्तक काव्य
- आदिकालीन काव्य भाषा

इकाई–2 : **भक्तिकाल**

- भक्ति आन्दोलन के उदय के कारण
- भक्तिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि.
- भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृतियाँ
- भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप`
- भक्ति काल की विविध काव्यधाराएं, निर्गुण काव्यधारा (संत काव्य और सूफी काव्य) और सगुण काव्यधारा (रामाश्रयी और कृष्णाश्रयी काव्य)
- प्रमुख भक्तिकालीन कवि
- भक्तिकालीन काव्यभाषा का स्वरूप और वैविध्य

इकाई–3 : **रीतिकाल**

- रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि.
- रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य)
- रीतिकालीन काव्यभाषा
- प्रमुख रीतिकालीन कवि
- रीतेतर काव्य

सहायक ग्रन्थ सूची

❖हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान दिल्ली

❖आदिकालीन तथा मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ, हेमंत कुकरेती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य का आदिकाल,आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य का अतीत, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य उद्भव और विकास,आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य का इतिहास, संपा. डॉ नगेन्द्र, के एल मल्लिक एण्ड संस, दिल्ली

❖साहित्य का इतिहास दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

❖भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार, संपा. गोपेश्वर सिंह
❖साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
❖मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध, मुकेश गर्ग, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली
❖हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली
❖भक्ति के तीन स्वर जॉन स्ट्रेटन हॉली, (अनु0) अशोक कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖रीतिकाव्य, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖निर्गुण संतों का स्वप्न, डेविड लारिजन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖ मध्यकालीन काव्यभाषा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖मध्यकालीन बोध का स्वरूप, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर :1

CC-2

(अनिवार्य बीज-पत्र)

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई -1: **Course Code: 102**

- 1857 की क्रांति और हिंदी नवजागरण
- प्रेस का आगमन
- भारतेंदु युग
- द्विवेदी युग

इकाई -2

- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नई कविता
- स्वतन्योत्तर हिंदी कविता
- समकालीन हिंदी कविता

इकाई -3 हिंदी गद्य का उद्भव और विकास :-

- हिंदी उपन्यास
- हिंदी कहानी
- हिंदी नाटक
- हिंदी निबंध
- हिंदी की साहित्यिक पत्रिकाएं

इकाई-4 कथेतर विधाएं

- यात्रा वृत्तांत, संस्मरण, निबंध, आत्मकथा, डायरी, रेखाचित्र, जीविनी, रिपोतार्ज, साक्षात्कार

सहायक ग्रन्थ सूची

❖हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान दिल्ली

❖आदिकालीन तथा मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ, हेमंत कुकरेती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य का आदिकाल,आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य का अतीत, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य उद्भव और विकास,आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य का इतिहास, संपा. डॉ नगेन्द्र, के एल मल्लिक एण्ड संस, दिल्ली

❖साहित्य का इतिहास दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

❖भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार, संपा. गोपेश्वर सिंह

❖साहित्य और इतिहास दृष्टि, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

❖मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध, मुकेश गर्ग, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली

❖हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली

❖भक्ति के तीन स्वर जॉन स्ट्रेटन हॉली, (अनु०) अशोक कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖रीतिकाव्य, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖निर्गुण संतों का स्वप्न, डेविड लारिजन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖मध्यकालीन काव्यभाषा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर : 2

CC-3

(अनिवार्य बीज पत्र)

आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य

Course Code : 201

- **अमीर खुसरो दोहा (क)** उज्जल वरन अधीन (ख) खुसरो रैन सुहाग की (ग) गौरी सोवै सेज पर

गीत –(क) काहै को व्याहौ विदेश (ख) सकल वन फूल रही सरसों .

मुकरियाँ :-(क) जीवन सबजग जासौ कहै (ख) बिन आये सबहिं सुख भूले **(ग)** बरसा **(घ)**

- **वियापति** :विद्यापति पदावली, पद संख्या 1-10 (संपादक-श्री रामवृक्ष बेनीपुरी)
- **कबीर :कबीर ग्रंथावली डॉ. श्यामसुन्दर दास**

साखी (दोहा 1 से 5 तक)

पद संख्या (23, 53, 111, 144, 156)

- **जायसी : नखसिख खण्ड (दोहा संख्या एक से दो तक), बसंत खण्ड (दोहा संख्या 5, 6)**
- **सूरदास :**भ्रमरगीत सार, पद संख्या 30-50
- **तुलसीदास :**विनय पत्रिका , पद संख्या 1-10

  कवितावली – वन गमन प्रसंग, बाल वर्णन
- **मीराबाई** :मीरा का काव्य, पद संख्या 1-20 (संपादक-विश्वनाथ त्रिपाठी)
- **बिहारी : (जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' से 10 दोहे)-** फिरि-फिरि चितु उत हीं रहतु, टूटी ताज की लाज (10), निकीं दई अनाकनी, फीकी परी गुहारी (11), अजौ तर्यौना हीं रह्यौ श्रुति सेवत इक रँग (20), कहत, नटत, रीझत, खिझत,मिलत, खिलत लजियात (32), नहिं परागु, नहिं मधुर मधु, नहिं विकासु इहिं काल (38)जपमाला, छापै, तिलक सरे न एकौ कामु (41) मोहन-मूरति स्याम की अति अद्भुत गति जोई (61), कनक कनक तैं सौगुनो मादकता

अधिकाय (92),औंघाई सीसी, सु लखि बिरह-बरनि बिललात (217), फिरि-फिरि बूझति, कहि कहा कह्यौ सांवरे गात (219)

- **देव:** (5 पद), आँगन बैठी सुन्यौ पिय आवन चित झरोखन से लख्यौ परे (1), आई बरसाने ते बुलाय वृषभानु सुता (2), आवन सुन्यौ है मनभावन को भावती ने (3), गुंजन के कोरे मनु केलिरस बोरे लाल (4), मुरली सुनत बाम काम जुर लीं भई (5)
- **घनानंद :** (घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र से 5 पद) छलके अति सुन्दर अनन गौर (2), तब तो छबि पीबत जीवत है, अब सोचन लोचन जात जरे (13), रावरे रूप की रीति अनूप, नयी-नयी लागत ज्यों,ज्यौं निहारिये (15), अति सूधौ सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं (82)

सहायक ग्रन्थसूची

❖विद्यापति पदावली, संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖सूरदास, रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖सुरदास, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖ महाकवि सूरदास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖कबीर मीमांसा, रामचंद्र तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖अबध कहानी प्रेम की, पुरुसोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖ सूर और तुलसी, नन्दुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖विद्यापति, शिवप्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖तुलसी के हिय हेरि, विष्णुकांत शास्त्री, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖मीरा और मीरा, महादेवी, वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖तुलसी आधुनिक वातायन से, रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖तुलसी : एक पुनर्मूल्याकन, (सं०),अजय तिवारी, आधार प्रकाशन

❖मीरा का काव्य, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖मीरा : एक पुनर्मूल्याकन, (सं०), पल्लव, आधार प्रकाशन
❖कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदर दास, नागारिणी, प्रचारिणी सभा, कशी
❖विनय पत्रिका, तुलसीदास, टीकाकार, वियोगी हरि, साहित सेवासदन, वाराणसी
❖सूफीमत साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी
❖जायसी का पद्मावत, गोविन्द त्रिगुणायत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
❖जायसी एक नई दृष्टि, डॉ. रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
❖हिंदी सूफी काव्य का समग्र अनुशीलन, शिव सहाय पाठक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖गोस्वामी तुलसीदास, रामचंद्र शुक्ल, नागारिणी प्रचारिणी सभा, काशी
❖भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन
❖कबीर की विचारधारा, गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, बरेली
❖आलोचना का नया पाठ, गोपेश्वर सिंह, किताबघर, प्रकाशन दिल्ली
❖भ्रमरगीत सार, संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
❖कवितावली,तुलसीदास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर :2

CC-4

(अनिवार्य बीज-पत्र)

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

Course code: 202

- श्रीधर पाठक - काश्मीर सुषमा, निज स्वदेश, सुन्दर भारत
- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध- ब्रज की गोधूलि, फूल और कांटे
- मैथिली शरण गुप्त- सखी वे मुझसे कहकर जाते (यशोदरा), निरख सखी ये खंजन आये (साकेत- नवम सर्ग), किसान
- रामनरेश त्रिपाठी-शारद तरंगिनी, पथिक, आगे बढे चलेंगे
- जय शंकर प्रसाद- आह वेदना मिली विदाई, ले चल मुझे भुलावा देकर,बीती विभावरी जागरी, आत्मकथ्य
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला-जूही की कली, संध्या सुंदरी, भिक्षुक, बादल राग भाग1
- सुमित्रानंदन पंत- पल्लव, ताज, कुसुमों के जीवन का पल, ग्राम, प्रथम रश्मि
- महादेवी वर्मा-बीन भी हूँ मैं, तुम्हारी तुम्हारी, रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुःख की बदली, जो तुम आ जाते एक बार, पुलक पुलक उर सिहर सिहर तन

सहायक ग्रन्थ सूची

❖प्रसाद, पंत, निराला और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ , सम्पादक वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

❖प्रियप्रवास, अयोध्यासिंह उपाध्याय, 'हरिऔध' हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी

❖ भारत भारती, मैथिलीशरण गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

❖यशोधरा, मैथिली शरण गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
❖मैथिली शरण गुप्त, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
❖ प्रसाद-पन्त-अज्ञेय, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
❖निराला की साहित्य साधना, खण्ड-(1,2,3), रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
❖निराला: आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
❖निराला, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
❖ निराला की छवियाँ, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
❖निराला की कविताएँ और काव्यभाषा, रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
❖सुमित्रानंदन पन्त, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
❖सुमित्रानंदन पन्त, कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, इलाहबाद
❖सुमित्रानंदन पन्त, जीवन और साहित्य भाग (भाग-2), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖महादेवी, परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
❖महादेवी, दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
❖हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, पुस्तक मंदिर, आगरा

सेमेस्टर :2

AECC-2

(अनिवार्य बीज-पत्र)

हिंदी व्याकरण एवं रचना

Course Code: 204

- हिंदी व्याकरण एवं रचना-संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय । उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास । पर्यावाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दो के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे ओर लोकोक्तियाँ, पल्लवन एवं संक्षेपण ।
- संप्रेषण की अवधारणा ओर महत्व ।
- संप्रेषण के प्रकार ।
- संप्रेषण के माध्यम ।
- संप्रेषण की तकनीक ।
- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध ।
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन ।

सहायक ग्रन्थ सूची

❖ हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु, नागरिणी प्रचारिणी सभा

❖ आधुनिक हिंदी व्याकरण, वासुदेव नंदन प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद

❖ हिंदी व्याकरण एक नवीन दृष्टिकोण, कविता कुमार, किताब घर, दिल्ली

❖ वाक्य संरचना और विश्लेष्ण नए प्रतिमान, बदरीनाथ कपूर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

❖ शैक्षणिक व्याकरण, और व्यवहारिक हिंदी, गोस्वामी कृष्ण कुमार, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

❖ वव्यवहारिक हिंदी, महेंद्र मित्तल, शबरी संस्थान, दिल्ली

सेमेस्टर -3

CC-5

छायावादोत्तर हिंदी कविता

(अनिवार्य बीज -पत्र)

Course Code 301

इकाई-1

- माखनलाल चतुर्वेदी- ठंठ अब, ऐ मेरे प्राण, प्यारे भारत देश
- **रामधारी सिंह 'दिनकर'**-वह कौन होता है वहाँ- सबको विनष्ट किया अभिमान में कुरुक्षेत्र (प्रथम सर्ग), कलम आज उनकी जय बोल, स्वर्ण धन
- **नागार्जुन** –सत्य, बहुत दिनों के बाद, एक गुलाबी चूड़ियाँ,
- **केदारनाथ अग्रवाल-** चन्द्र गहना से लौटती बेर, मजदूर का जन्म, वह जन मारे नहीं मरेगा
- **त्रिलोचन-**चंपा काले-काले अक्षर नहीं चिन्हती, गालीब, कब बैठी है आंसुओं से राह जीवन की

इकाई -2

- **शमशेर बहादुर सिंह** – सिंग और नाख़ून, जीवन की कमान, य' शाम है
- **अज्ञेय-**नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, सांप
- **मुक्तिबोध-** विचार आते हैं, मै तुमलोगों से दूर हूँ, एक भूतपूर्व विद्रोही का आत्मकथन

इकाई- 3

- **रघुवीर सहाय,** नेता क्षमा करे, अधिनायक, आने वाला खतरा
- **धूमिल-** रोटी और संसद, मोचीराम, लोहे का स्वाद
- **केदारनाथ सिंह-** पानी में घिरे हुए लोग, सन 47 को याद करते हुए , शहर में रात

सेमेस्टर -3

CC-6

(अनिवार्य बीज-पत्र)

भारतीय काव्य शात्र

Course Code :- 302

इकाई :- 1. काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

इकाई :- 2. रस की अवधारणा, रस की निष्पति, साधारणीकरण।

इकाई :- 3. ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण।

इकाई :- 4. अलंकार की अवधारणा, अलंकारों का वर्गीकरण।

सहायक ग्रन्थ सूची

- ❖भारतीय काव्यशात्र, तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- ❖भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, गंपतिचंद्र,गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- ❖भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र की रूपरेखा, गंपतिचंद्रगुप्त राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- ❖ भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र, त्रिलोकीनाथ श्रीवास्तव,
- ❖काव्यशात्र, डॉ.भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- ❖भारतीय काव्यशास्त्र, योगेन्द्र प्रताप सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर -3

CC-7

(अनिवार्य बीज-पत्र)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code-303

- प्लेटो-काव्य सम्बन्धी मान्यताएँ।
- अरस्तू- अनुकृति एवं विरेचन।
- लोंजाइनस-काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- वर्डसवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धांत।
- कॉलरिज-कल्पना और फैंटेसी।
- क्रोचे- अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस. एलियट-परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
- आई. ए. रिचर्डस- मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत।
- नई समीक्षा।
- मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैलीविज्ञान।
- आधुनिकतावाद, उतरआधुनिकतावाद, एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद ।

सहायक ग्रन्थसूची

- ❖पाश्चात्य काव्यशात्र : नई प्रवृति, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- ❖पाश्चात्य काव्य शास्त्र अधुनातन सन्दर्भ, सत्यदेव मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- ❖पाश्चात्य काव्य चिंतन, करुणाशंकर उपाध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- ❖ भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, गंपतिचंद्र,गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशात्र की रूपरेखा, गंपतिचंद्रगुप्त राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
❖पाश्चात्य काव्यशात्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैग, दिल्ली
❖पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
❖पाश्चात्य काव्यशात्र, विजय बहादूर सिंह, प्रकाहन संस्थान, दिल्ली
❖पाश्चात्य काव्यशात्र, इतिहास, सिद्धांत और वाद, डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
❖पाश्चात्य काव्यशात्र, डॉ. तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर -3
SEC-1
विज्ञापन : अवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग
Course Code-305

- विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, विचारधाराएं, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धांत।
- विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान - योजना और कार्यान्वयन : स्थिति संबंधी विश्लेषण, राजनीति, ब्रांड इमेज। उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लैनिंग) की भूमिका।
- विज्ञापन और मध्यम भेद मुद्रित दृश्य श्रव्य एवं दृश्य श्रव्य माध्यम विज्ञापन एजेंसी का प्रबंध हिंदी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेंसियों का परिचय विज्ञापन कानून और
- विज्ञापन और मध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबंध। हिंदी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेंसियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता।
- विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धांत और अभिविन्यास (ले आउट)।
- विज्ञापन भाषा की विशेषताएं। हिंदी विज्ञापनों की भाषा का संरचनात्मक अध्ययन और शैली वैज्ञानिक विश्लेषण।

सेमेस्टर -4

CC-8

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

(अनिवार्य बीज-पत्र)

Course Code: -401

- भाषा: परिभाषा, विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण
- भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध
- स्वनिम विज्ञान: परिभाषा, रचना, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण-स्थान और प्रयत्न के आधार पर, स्वन परिवर्तन के कारण
- रूपिम विज्ञान-शब्द और रूप (पद),,पद विभाग-नाम आख्यात, उपसर्ग और निपात
- वाक्य विज्ञान-वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण
- अर्थ विज्ञान- शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और विशेषताएँ
- अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ
- राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार का प्रयास

सहायक ग्रन्थ सूची

❖ भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती प्रकाशन, वाराणसी

❖ भाषा और समाज, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖ भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल पब्लिशर्स, दिल्ली

सेमेस्टर -4

CC-9

(अनिवार्य बीज-पत्र)

हिंदी उपन्यास

Course Code:-402

उपन्यास –

- प्रेमचंद- गबन
- जैनेन्द्र कुमार – त्यागपत्र
- फणीश्वरनाथ रेणु -जुलूस
- अमृतलाल नागर- मानस का हंस
- मन्नू भंडारी – महाभोज
- विनोद कुमार शुक्ल – नौकर की कमीज

सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

❖प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖प्रेमचंद के आयाम, ए. अरविंदाक्षन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖प्रेमचंद और भारतीय समाज, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖प्रेमचंद की कहानियाँ संवेदना और शिल्प, रामकिशोर शर्मा,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖ प्रेमचंद एक तलाश, श्री राम त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖ प्रेमचंद की जीवन और गोदान, शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर -4

CC-10

(अनिवार्य बीज-पत्र)

हिंदी कहानी

Course Code:-403

कहानी

- चंद्रधर शर्मा गुलेरी -उसने कहा कहा था
- प्रेमचंद – पूस की रात
- जयशंकर प्रसाद -गुंडा
- सुदर्शन-हार की जीत
- जैनेन्द्र कुमार-पाजेब
- फनीश्वरनाथ रेणु – तीसरी कसम
- मोहन राकेश -मिस पाल
- निर्मल बर्मा -परिंदे
- अमरकांत -दोपहर का भोजन
- कृष्णा सोबती – सिक्का बदल गया
- ज्ञानरंजन- पिता

सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

❖प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖प्रेमचंद के आयाम, ए. अरविंदाक्षन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖प्रेमचंद और भारतीय समाज, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖प्रेमचंद की कहानियाँ संवेदना और शिल्प, रामकिशोर शर्मा,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖ प्रेमचंद एक तलाश, श्री राम त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

❖ प्रेमचंद की जीवन और गोदान, शिवकुमार मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर -4
SEC-2
साहित्य और हिन्दी सिनेमा
Course Code-405

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
- हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।
- साहित्य और सिनेमा : अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक।

सेमेस्टर -5

CC-11

(अनिवार्य बीज-पत्र)

हिंदी नाटक एवं एकांकी

Course Code:-50

नाटक :-

- भारतेंदु :- अंधेर नगरी
- जयशंकर प्रसाद :- ध्रुवस्वामिनी
- मोहन राकेश :- आषाढ़ का एक दिन
- भीष्म साहनी :- माधवी

एकांकी :-

- उपेन्द्र नाथ अश्क – साहब को जुकाम है
- रामकुमार वर्मा – औरंगजेब की आखिरी रात
- भुवनेश्वर – स्ट्राइक
- जगदीश चन्द्र माथुर –भोर का तारा

सहायक ग्रन्थ सूची

❖हिंदी एकांकी, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली

❖एकांकी उद्भव और विकास, मंजरी त्रिपाठी, ज्ञान विज्ञान प्रकाशन,दिल्ली

❖हिंदी नाटक के पांच दशक, कुसुम खेमानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

❖हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖ मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश,रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖ नाटककार जगदीशचन्द्र, गोविन्द चातक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖ रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖जयशंकर प्रसाद: रंगदृष्टि, महेश आनंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖ रंगमंच और जनतंत्र, सत्येन्द्र कुमार तनेजा,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
❖ स्पीति में बारिश, कृष्णनाथ, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
❖

सेमेस्टर -5

CC-12

(अनिवार्य बीज-पत्र)

हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

Course Code:- 502

- सरदार पूर्ण सिंह -मजदूरी और प्रेम
- रामचंद्र शुक्ल-करुणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी -देवदारु
- विद्यानिवास मिश्र- मेरे राम का मुकुट भींग रहा है
- शिवपूजन सहाय-महा कवि जयशंकर प्रसाद
- रामवृक्ष बेनीपुरी -राधिका
- नामवर सिंह -व्यापकता और गहराई
- महादेवी वर्मा-गिल्लू
- कृष्णनाथ -स्पीति में बारिश

सहायक ग्रन्थ सूची

1. चिंतामणि भाग-1 आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
2. मेरे राम का मुकुट भींग रहा है, विद्यानिवास मिश्र,
3. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. आचार्य रामचंद शुक्ल और हिंदी आलोचना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
5. ललित निबंध के पुरोधा, विद्यानिवास मिश्र,
6. इतिहास और आलोचना, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मेरा परिवार, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर -5
DSE-1
लोक साहित्य
Course Code-503

इकाई :-1 लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोक वार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतर्संबंध लोक साहित्य का अन्य सामजिक विद्वानों से संबंध,लोक साहित्य के अध्यन की समस्याएँ

इकाई :- 2 भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण, लोक गीत, संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रम्गीत ऋतू गीत जाति गीत

इकाई:-3 लोक नाट्य, रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी, हिंदी लोक नाट्य की परम्परा एवं प्राविधि हिंदी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव, लोक नृत्य और लोकसंगीत

इकाई :- 4 लोककथा : व्रतकथा, परि-कथा, नाग-कथा, कथा रुढियों और अन्धविश्वास, लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ, लोकनृत्य एवं लोकसंगीत

सेमेस्टर -5
DSE-2
अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
Course Code-504

इकाई :-1 **विमर्शों की सैद्धान्तिकी**

(क) दलित विमर्श-अवधारणा और आन्दोलन, फुले और अम्बेडकर

(ख) स्त्री विमर्श- अवधारणा और मुक्ति आन्दोलन(पाश्चात्य और भारतीय)

(ग)आदिवासी विमर्श-अवधारणा और आन्दोलन

इकाई :- 2 **विमर्शमूलक कथा साहित्य :-**

(क) ओमप्रकाश वाल्मीकि -सलाम

(ख) जयप्रकाश कर्दम -नौ बार

(ग) हरिराम मीणा- धूणी तये तीर, पृष्ट 158-167

(घ) मोहनदास नैमिशराय -मुक्तिपर्व (उपन्यास) का अंश पृष्ट 24 -33

(ङ) सुमित्राकुमारी सिन्हा- व्यक्तित्व की भूख

(च) नासिरा शर्मा-खुदा की वापसी

इकाई :- 3 **दलित कविता** :-

(क) अछूतानन्द- दलित कहां तक पड़े रहेंगे, नगीना सिंह – कितनी व्यथा, कालीचरण स्नेही-दलित विमर्श, माता प्रसाद – सोनवा का पिंजरा

(ख) **स्त्री कविता**:- कीर्ति चौधरी -सीमा रेखा, कात्यायनी- सात भाईयों के बीच चम्पा, सविता सिन्हा -मैं किसकी औरत हूँ

इकाई :-4 **विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ**

(क) प्रभा खेतान -अन्या से अनन्या पृष्ट 28-42

(ख) तुलसीराम : मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ पृष्ट 125-135

(ग) महादेवी वर्मा-स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न

(घ) डॉ. धर्मवीर भारती -अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर

सेमेस्टर -6

CC-13

हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिकता

(अनिवार्य बीज-पत्र)

Course Code :- 601

- साहित्यिक पत्रकारिकता का अर्थ : अवधारणा और महत्व ।
- भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- प्रेमचंद और छायावादयुगीन पत्रकारिकता: परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिकता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ , बनारस अखबार, भारत मित्र, हिंदी प्रदीप, हिन्दोस्थान, आज, स्वदेश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत, जनसत्ता ।

सहायक ग्रन्थ सूची

❖हिंदी पत्रकारिकता : स्वरूप और सन्दर्भ, विनोद गोदरे

❖समाचार फीचर लेखन और संपादन कला-हरिमोहन

❖हिंदी पत्रकारिकता का विकास, एन.सी. पन्त

सेमेस्टर -6

CC-14

(अनिवार्य बीज-पत्र)

प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Code:-602

प्रयोजनमूलक हिंदी

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी ।
- हिंदी की बोलियाँ : हिंदी, उर्दू और हिन्दुस्तानी ।
- हिंदी भाषा का उद्भव और विकास ।
- हिंदी का मानकीकारण ।
- हिंदी के प्रयोग क्षेत्र: भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता-प्रकार और बोली ।
- प्रयोजन्मोलक हिंदी के प्रकार: कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यवसायिक हिंदी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिंदी और उसके रामुख लक्षण ।
- हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति ।

सहायक ग्रन्थ सूची

❖प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गोदरे

❖हिंदी पत्रकारिकता और जनसंचार, ठाकुर दत्त आलोक

❖प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे

❖राजभाषा हिंदी, भोलानाथ तिवारी

सेमेस्टर -6
DSE-3
तुलसीदास
Course Code-603

इकाई :-1 **रामचरित मानस** -अयोध्याकाण्ड दोहा संख्या (67-120)

इकाई :-2 **कवितावली** -उत्तर काण्ड (20छंद, पद संख्या -29, 35, 37, 44, 45, 60, 67, 73, 74, 84, 88, 89,102,103, 108, 109, 122, 126,132, 134, 136

इकाई :-3 **गीतावली-बाल काण्ड** (15 पद, पद संख्या- 7, 8, 9, 10, 18, 24, 26, 31, 33, 36, 44, 73, 95, 97,101
इकाई :-4 **विनय पत्रिका- (**20 पद, पद संख्या-1, 5, 17, 20, 36, 41, 45, 72, 78, 79, 85, 89, 90, 94, 100, 101, 104, 105, 111, 113

सहायक ग्रन्थसूची

1.रामचरित मानस, गीता प्रेस, गोरखपुर
2. कवितावली, गीता प्रेस, गोरखपुर
3. गीतावली, गीता प्रेस, गोरखपुर
4. गीतावली, गीता प्रेस, गोरखपुर

सेमेस्टर -6

DSE-4

प्रेमचंद

Course Code-604

इकाई -1 उपन्यास-सेवासदन

इकाई :-2 नाटक-कर्बला

इकाई:-3 निबंध- साहित्य का उद्देश्य, महाजनी सभ्यता

इकाई:-4 कहानियाँ- पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, सद्गति